Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to take necessary measures to address the problem of flood and drought situation in North Bihar.

श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा): मिथिला क्षेत्र में कोसी, कमला, जीवछ, बागमती, बलान, गंडक, करेह, अधवारा समूह आदि नदियां बहती है । बरसात के समय यह नदियां उफान पर होती और पूरे मिथिला में भारी विनाश करती है । जिस कारण इस क्षेत्र के लाखों की आबादी प्रभावित होती है । मिथिला क्षेत्र कृषि पर ही आधारित है लेकिन बाढ़ और सूखे के कारण लगभग प्रति वर्ष फसलें बर्बाद होती रहती है, इन्हीं कारणों से उत्तर बिहार के करोड़ों लोगों को पलायन करना पड़ा है आजादी से अब तक करोड़ों लोग विभिन्न महानगरों को पलायन कर चुके हैं । श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में नदी से नदी को जोड़ने की परिकल्पना की गई थी, जिसका क्रियान्वन इस क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत आवश्यक है । साथ साथ ही नदियों का उराहीकरण, नदियों पर डैम बनाकर पानी का उचित प्रबंधन कर बाढ़ और सुखाड़ दोनों विभीषिका से मिथिला क्षेत्र को बचाया जा सकता है । मैं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री आदरणीय श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी से मिथिला व 8 करोड़ मिथिलावासियों को बाढ़ से स्थायी निदान हेतु आग्रह करता हूं ।